शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनंदगांव (छ.ग.)

शिक्षक फीडबैक
सत्र 2020-21

स.क्र.	विवरण	पूर्णतः सहमत	सहमत	न सहमत न असहमत	असहमत	पूर्णतः असहमत
1	पाठयक्रम में स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक विकास संबंधी आवश्यकताओं को शामिल किया गया है|	58.33%	33.33%	4.17%	3.13%	0%
2	पाठयक्रम के Programme Outcome (PO), Programme Specific Outcome (PSO) तथा Course Outcome (CO) से अध्ययन करने एवं सीखने की क्षमताओं के उद्शयों की पूर्ति होती है|	58.33%	33.33%	6.25%	2.08%	0%
3	पाठयक्रम में आवश्यकतानुसार संशोधन का किया जाता है |	60.42%	35.42%	3.13%	1.04%	0%
4	पाठयक्रम में रोजगार योग्यता (Employability), उद्यमिता (Entrepreneurship), कौशल विकास (Skill Development) पर आधारित पाठ्यसामग्रियों का शमावेश किया जाता है|	60.42%	32.29%	4.17%	3.13%	0%
5	पाठयक्रम में व्यावसायीक नैतिकता (Professional ethics), लिंग (Gender), मानवीय मूल्यों (Human Value), पर्यावरण और स्थिरता (Environment and Sustainability))से संबंधित प्रमुख विषयों को पाठयक्रम में शामिल किया जाता है |	53.13%	39.58%	7.29%	0%	0%
6	विद्यार्थियों के लिए मूल्य आवर्धित पाठयक्रम (Value Added Course)कराये जाते है	62.50%	31.25%	4.17%	2.08%	0%
7	विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त अध्ययन संसाधन महाविद्यालय में उपलब्ध है |	52.08%	36.46%	3.13%	8.33%	0%
8	विद्यार्थियों में व्यक्तित्व विकास हेतु Co-curricular activityएवं Extra-Curricular Activity नियमित रूप से करायी जाती है |	65.63%	26.04%	5.21%	3.13%	0%
9	विद्यार्थियों के सुविधा एवं रूचि अनुरूप शैक्षणिक लचीलेपन के लिए वैकल्पिक पाठयक्रम का समावेश किया जाता है |	44.79%	44.79%	8.33%	2.08%	0%
10	पाठयक्रम बनाते समय पाठयक्रम समिति में विषय विशेषज्ञों , औद्योगिक क्षेत्रों के विशेषज्ञों, भूतपूर्व छात्रों एवं वर्तमान अध्ययनरत छात्रों से सुझाव लिए जाते है|	71.88%	21.88%	5.21%	1.04%	0%

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
क्र.
दि.
राजनांदगांव (छ.ग.)

Principal
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)

शिक्षक फीडबैक का विश्लेषण

सत्र 2020-21

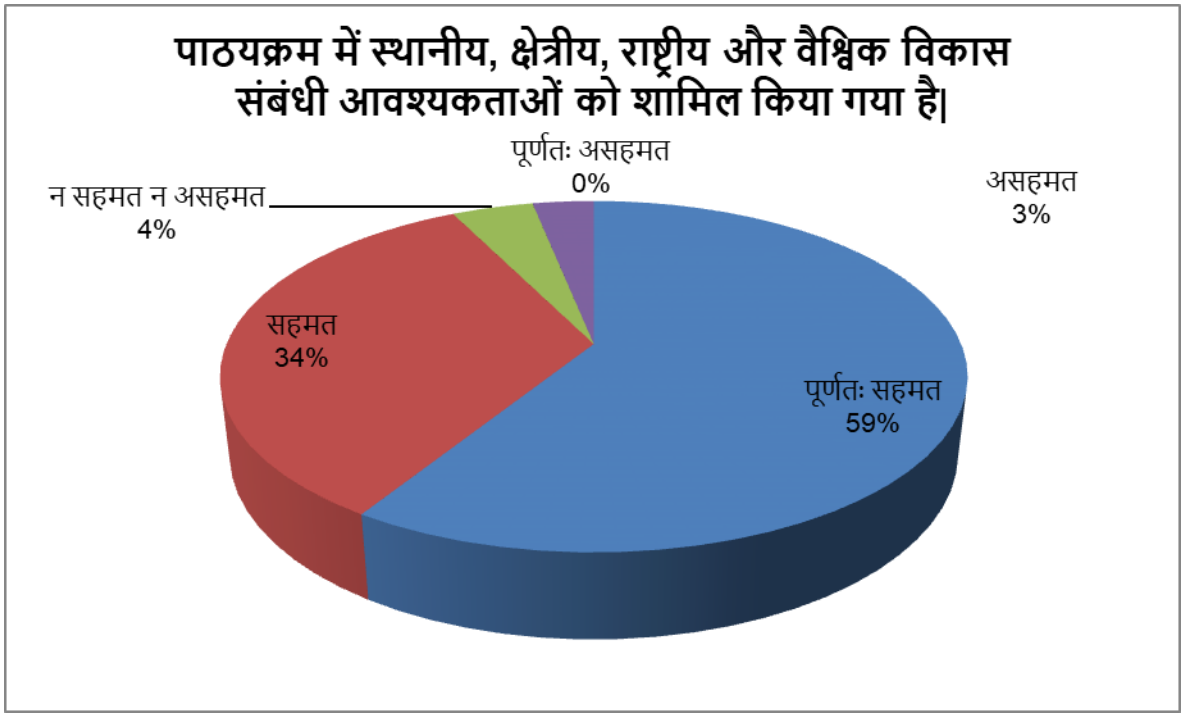

93 % शिक्षकों का मानना है कि पाठयक्रम में स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक विकास संबंधी आवश्यकताओं को शामिल किया गया है|

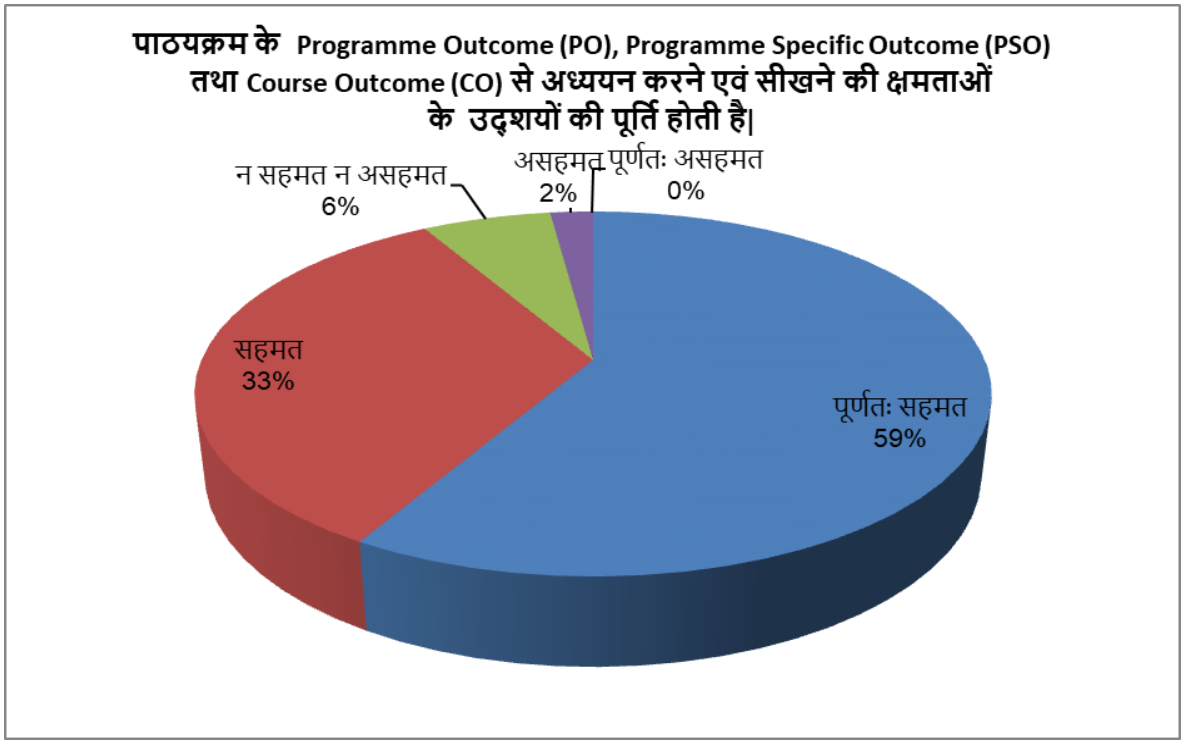

92 % शिक्षकों का मानना है कि पाठयक्रम के Programme Outcome (PO), Programme Specific Outcome (PSO) तथा Course Outcome (CO) से अध्ययन करने एवं सीखने की क्षमताओं के उद्शयों की पूर्ति होती है|

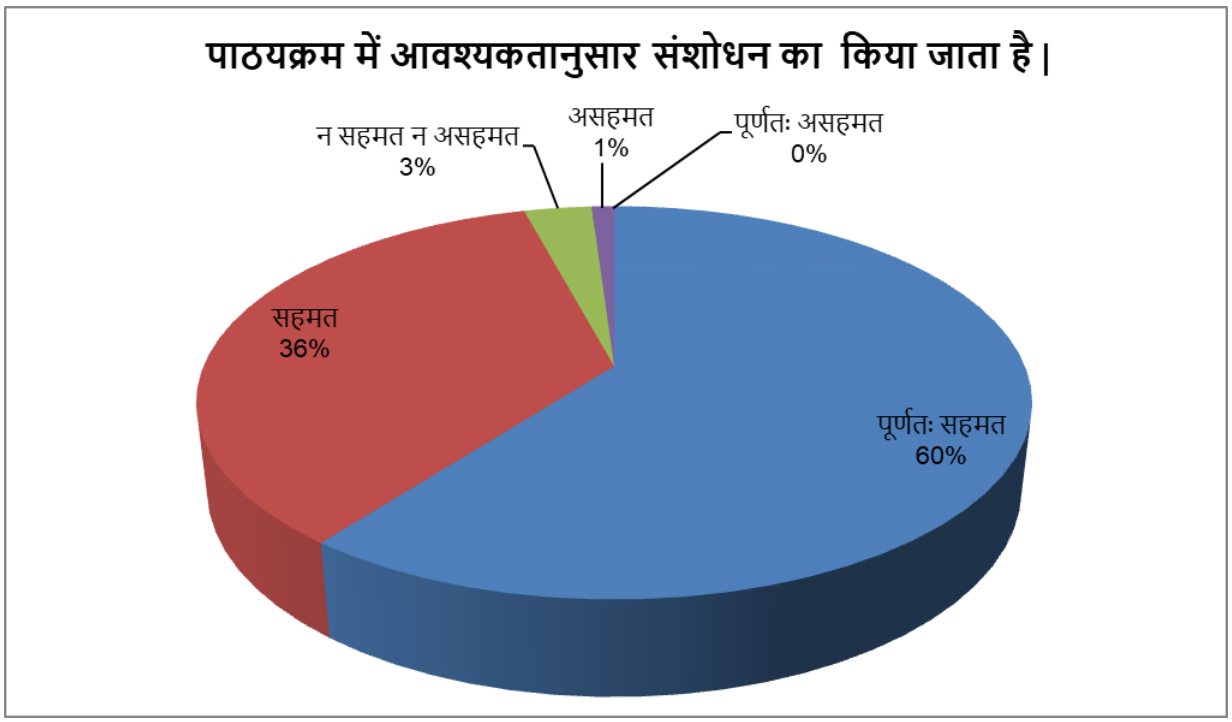

96 % शिक्षकों का मानना है कि पाठयक्रम में आवश्यकतानुसार संशोधन का किया जाता है।

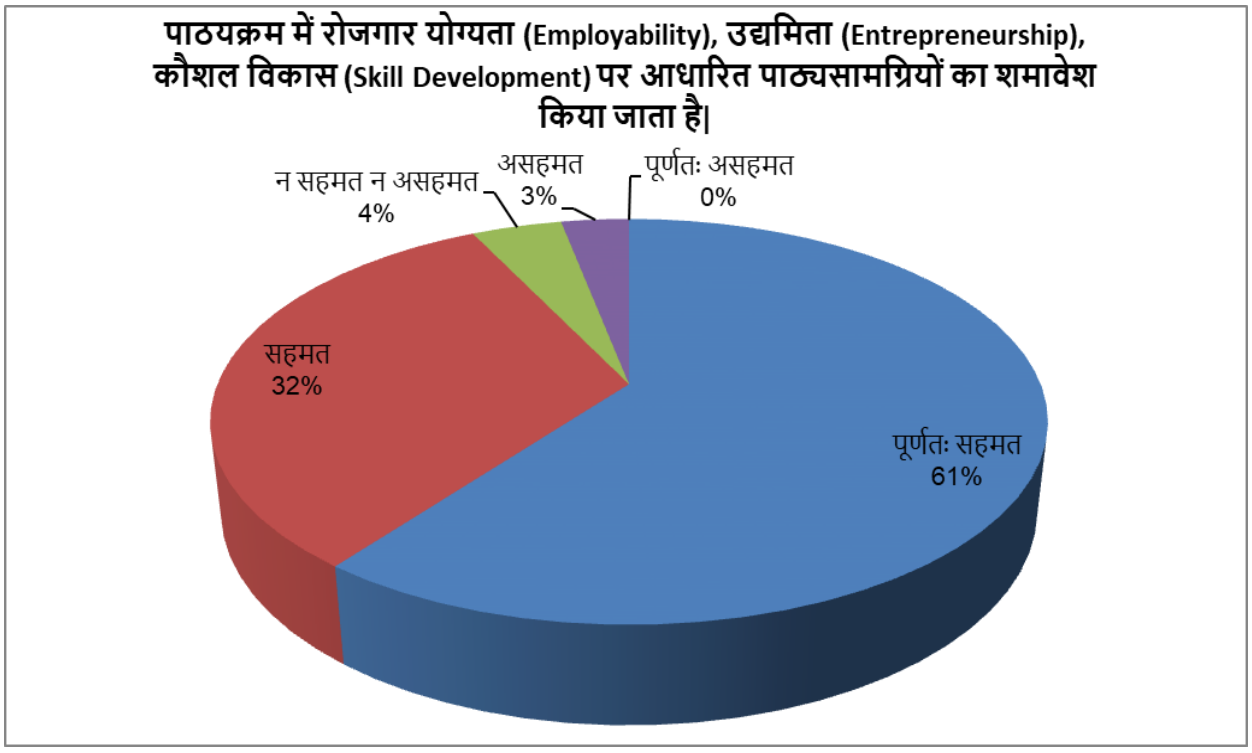

93 % शिक्षकों का मानना है कि पाठयक्रम में रोजगार योग्यता (Employability), उद्यमिता (Entrepreneurship), कौशल विकास (Skill Development) पर आधारित पाठ्यसामग्रियों का शमावेश किया जाता है|

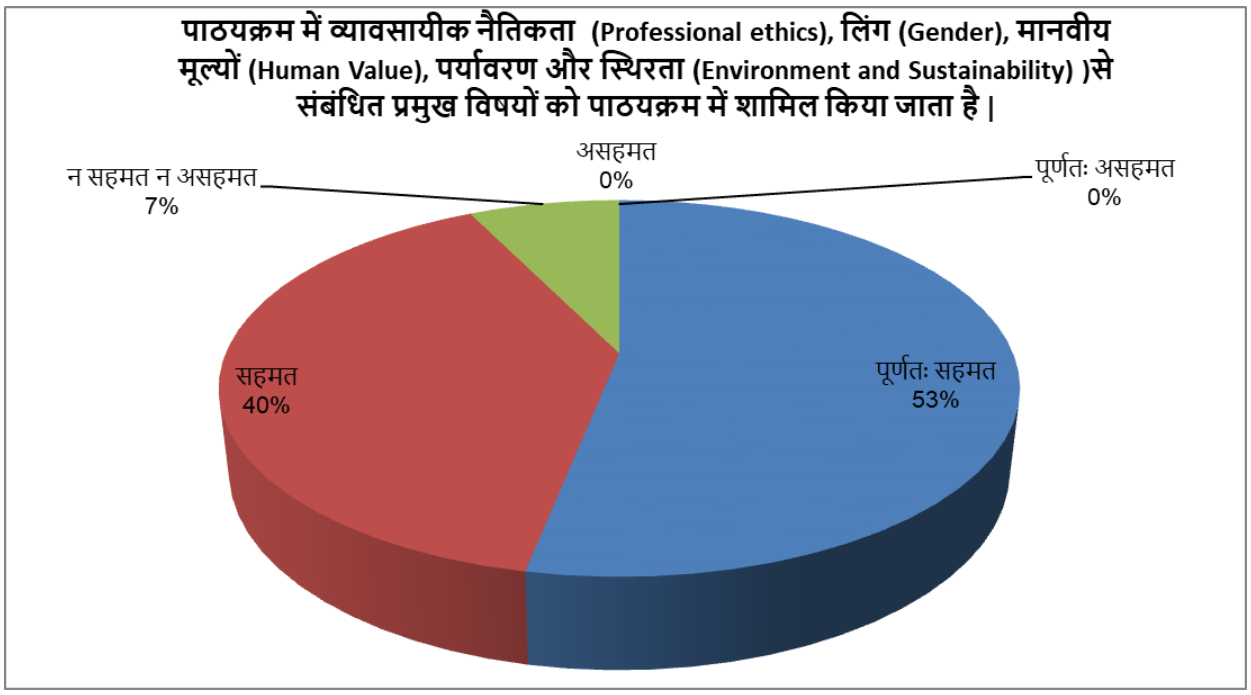

93% शिक्षकों का मानना है कि पाठयक्रम में व्यावसायीक नैतिकता (Professional ethics), लिंग (Gender), मानवीय मूल्यों (Human Value), पर्यावरण और स्थिरता (Environment and Sustainability))से संबंधित प्रमुख विषयों को पाठयक्रम में शामिल किया जाता है |

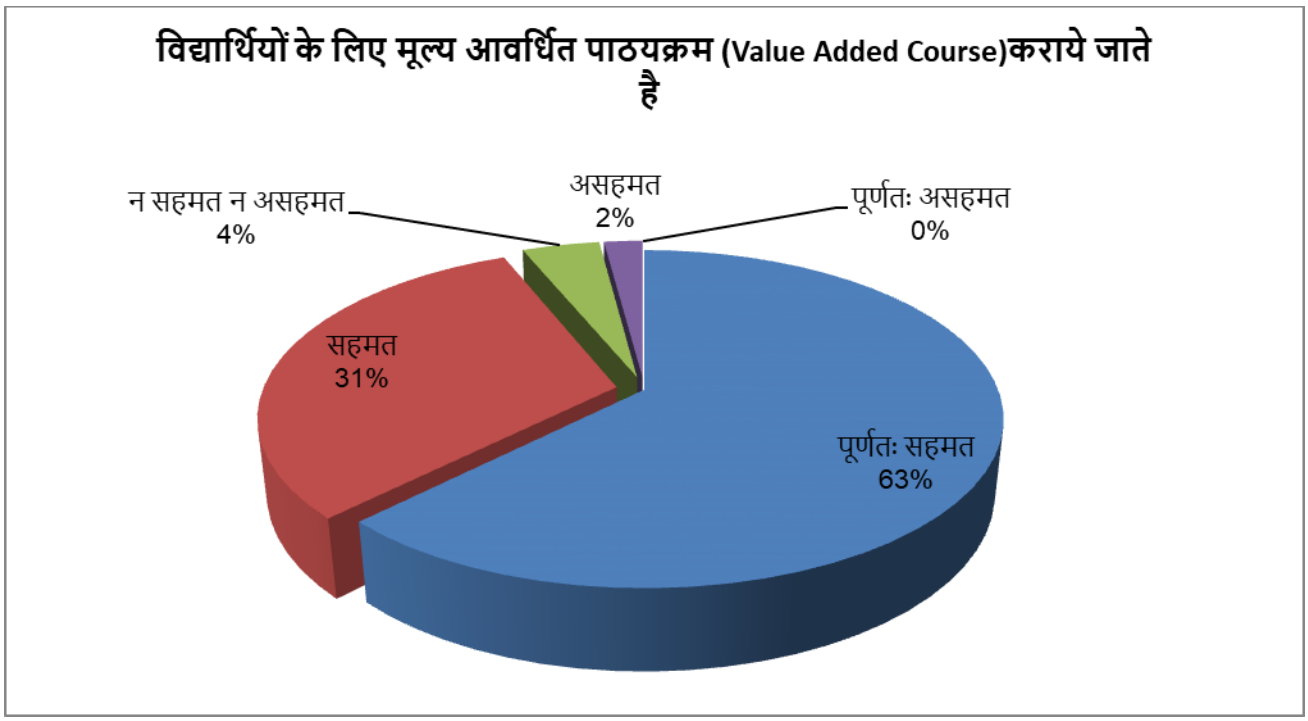

94% शिक्षकों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए मूल्य आवर्धित पाठयक्रम (Value Added Course) कराये जाते है ।

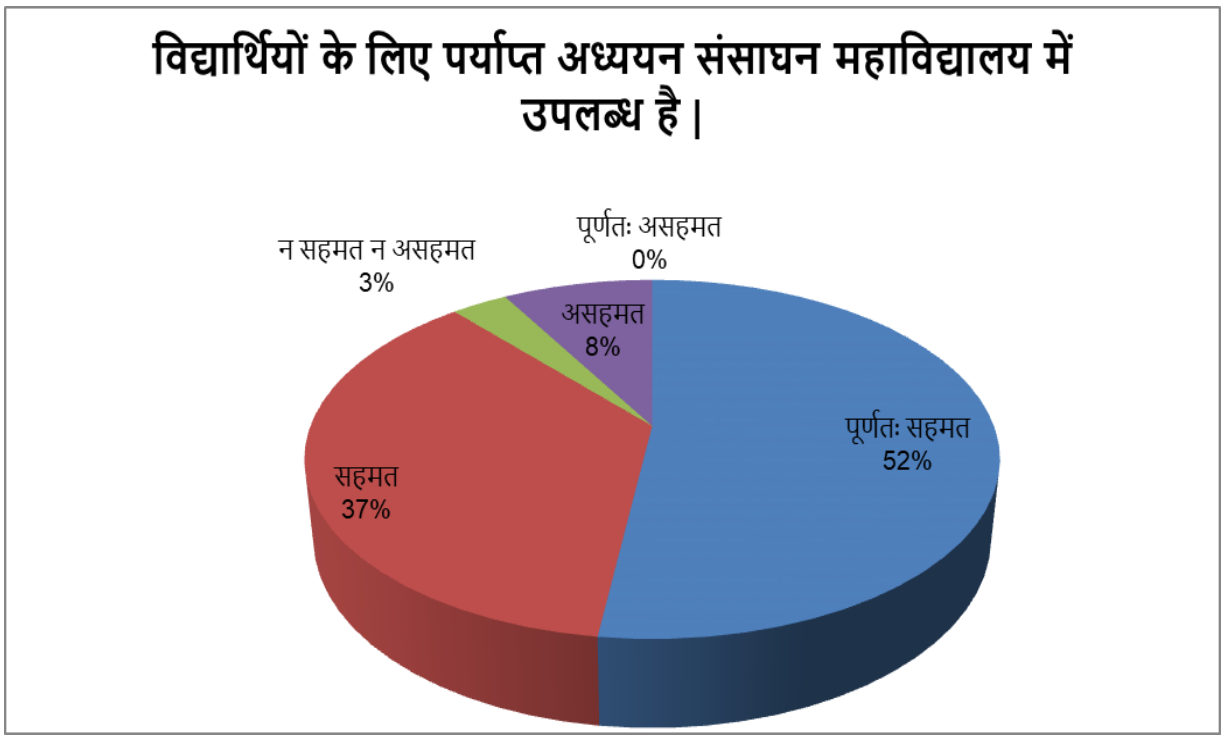

89 % शिक्षकों का मानना है कि विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त अध्ययन संसाधन महाविद्यालय में उपलब्ध है |

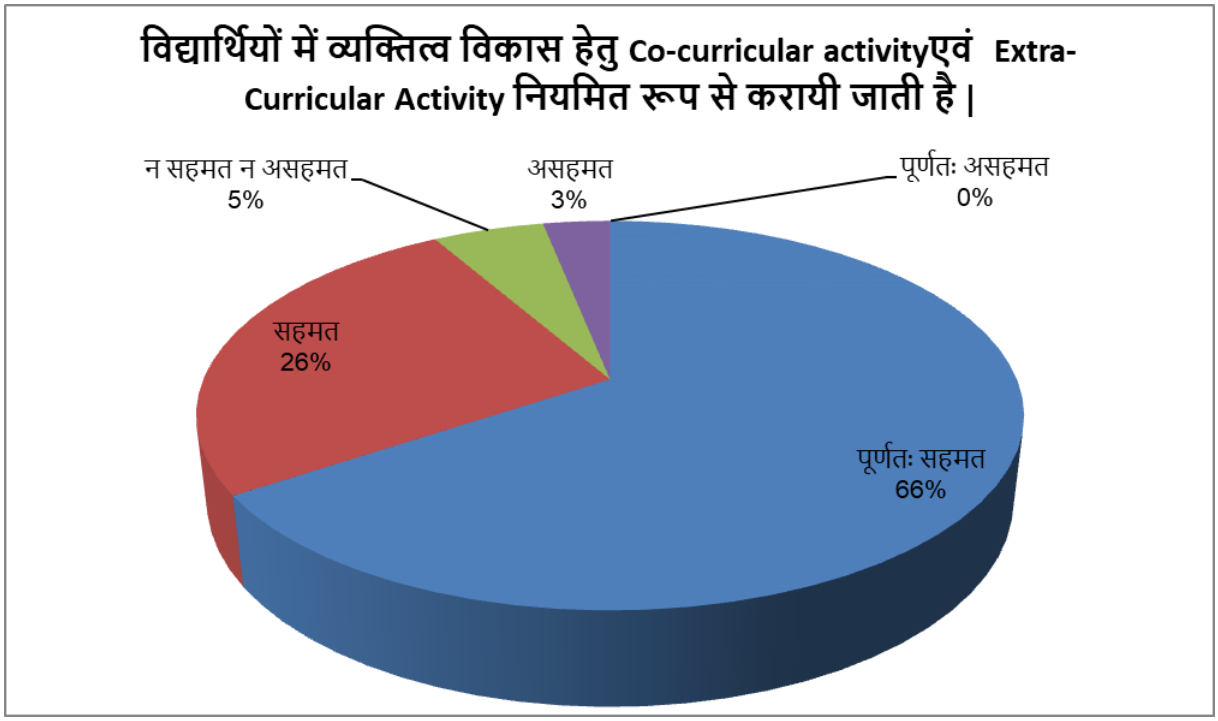

92% शिक्षकों का मानना है कि विद्यार्थियों में व्यक्तित्व विकास हेतु Co-curricular activityएवं Extra-Curricular Activity नियमित रूप से करायी जाती है |

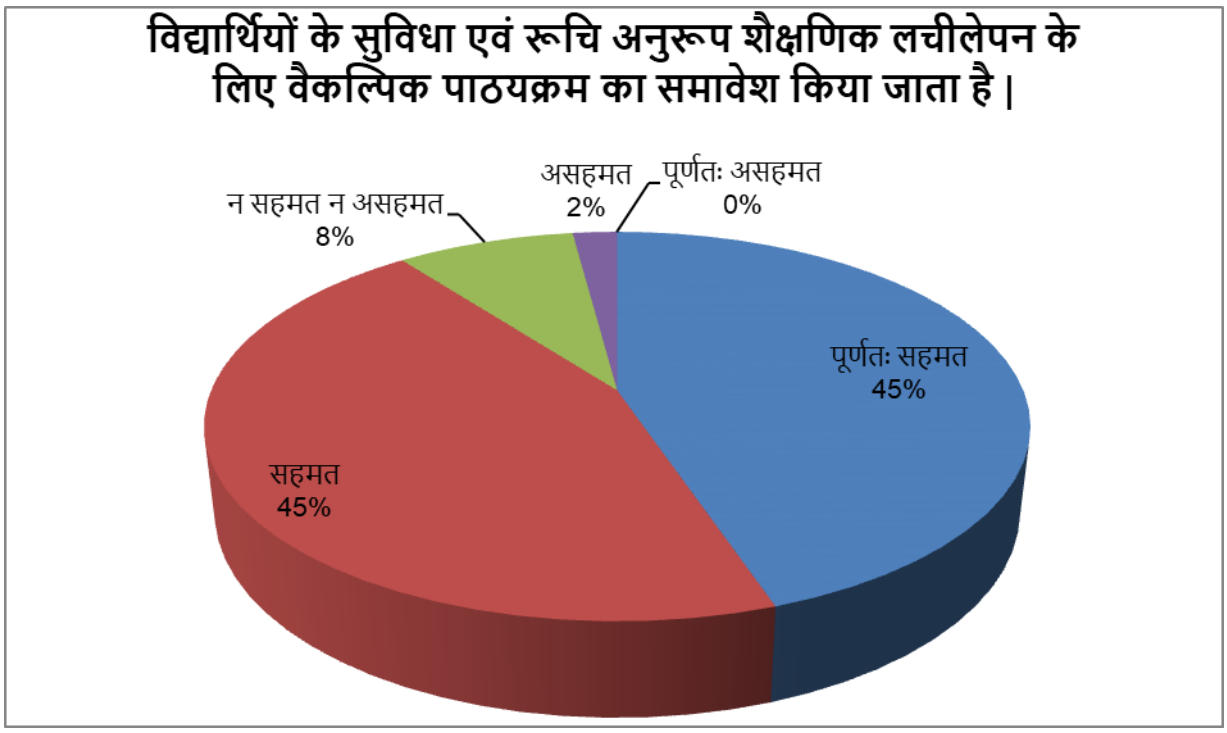

90 % शिक्षकों का मानना है कि विद्यार्थियों के सुविधा एवं रूचि अनुरूप शैक्षणिक लचीलेपन के लिए वैकल्पिक पाठयक्रम का समावेश किया जाता है |

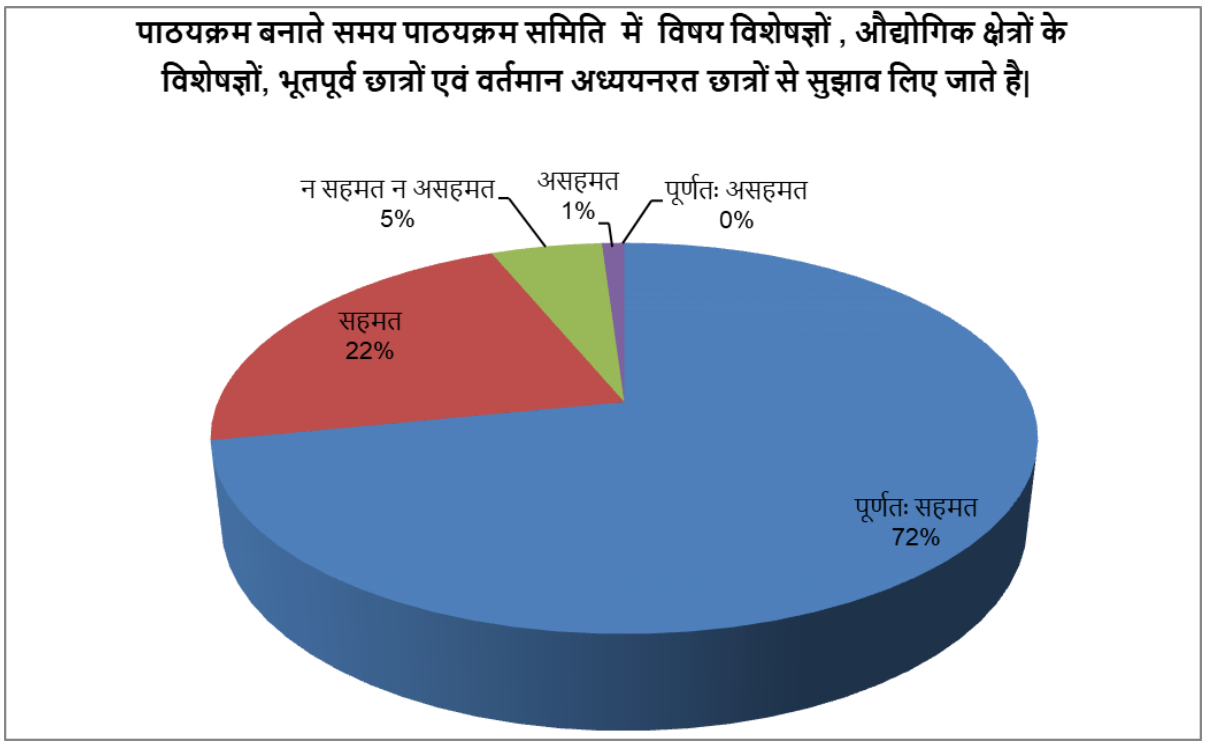

94 % शिक्षकों का मानना है कि पाठयक्रम बनाते समय पाठयक्रम समिति में विषय विशेषज्ञों , औद्योगिक क्षेत्रों के विशेषज्ञों, भूतपूर्व छात्रों एवं वर्तमान अध्ययनरत छात्रों से सुझाव लिए जाते है|

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
क्र._____
दि._____
राजनांदगांव (छ.ग.)

Principal
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)